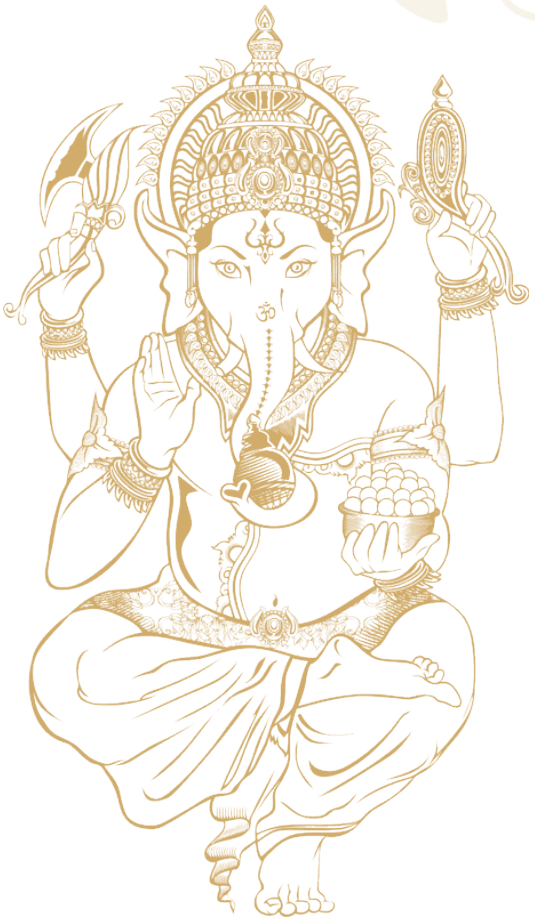

Mr.....

Dikchha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119964605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/10/1999	जन्म तिथि	06/08/2002
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:04:00	जन्म समय	19:55:59 घंटे
घटी 17:46:43	जन्म समय(घटी)	36:10:12 घटी
India	देश	India
Jaunpur	स्थान	Allahabad
25:44:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व	रेखांश	81:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44	स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:18	सूर्योदय	05:31:44
17:33:15	सूर्यास्त	18:44:56
23:51:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 11मा 4दि		02:06:48	मक	लग्न	कुंभ	13:27:31	गुरु 14वर्ष 10मा 2दि	
शुक्र		26:39:46	कन्या	सूर्य	कर्क	20:03:49	शनि	
18/09/2018		20:38:35	वृश्चि	चंद्र	मिथु	20:57:57	09/06/2017	
18/09/2038		04:10:19	धनु	मंगल	कर्क	21:27:08	09/06/2036	
शुक्र	18/01/2022	18:49:47	तुला	बुध	सिंह	06:26:32	शनि	12/06/2020
सूर्य	18/01/2023	07:20:48	मेष व	गुरु	कर्क	07:11:20	बुध	20/02/2023
चन्द्र	18/09/2024	11:21:10	सिंह	शुक्र	कन्या	05:17:45	केतु	31/03/2024
मंगल	18/11/2025	21:38:11	मेष व	शनि	मिथु	01:33:19	शुक्र	31/05/2027
राहु	18/11/2028	16:06:32	कर्क व	राहु व	वृष	22:28:17	सूर्य	12/05/2028
गुरु	20/07/2031	16:06:32	मक व	केतु व	वृश्चि	22:28:17	चन्द्र	12/12/2029
शनि	18/09/2034	19:02:45	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:29:45	मंगल	21/01/2031
बुध	19/07/2037	07:44:15	मक	नेप व	मक	15:34:14	राहु	27/11/2033
केतु	18/09/2038	14:43:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:06:55	गुरु	09/06/2036

लग्न-चलित

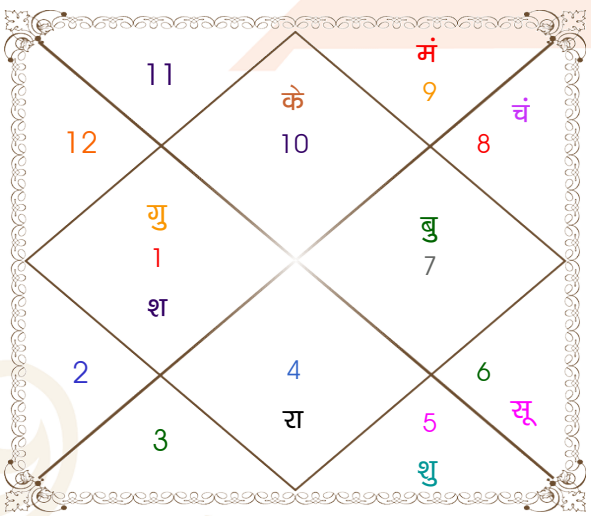

लग्न-चलित

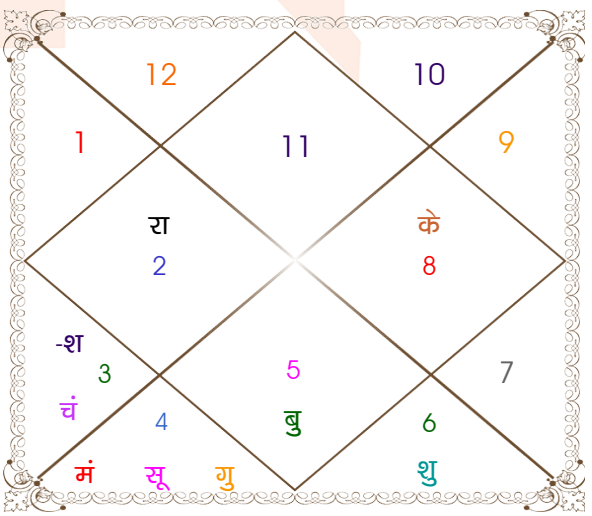

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्ण्ण्ण्ण् का वर्ग मृग है तथा Dikchha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ण्ण्ण्ण् और Dikchha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ण्ण्ण्ण् मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ण्ण्ण्ण् कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Dikchha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Dikchha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ण्ण्ण्ण् तथा Dikchha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।